ॐ नम

धर्मरत्न बज्राचार्य तुरत श्री महाबिहार

II-306

ॐ नमः श्रीमच्छाक्यविजयायै ॥ ॐ मुनिनि स्वाहा गृह्न २ गृह्नापय २
स्थानपदः भगवन्विद्याराजहूँ फट् स्वाहा ॥ श्रीशाक्यविजयाहृदयमन्त्र
ॐ नमश्चण्डवज्राय ॥ ज्वालाकुल पद्मान्तक यमान्तक विघ्नान्तक वज्र
कनकिराज नीलदण्ड महाबल उष्णीषवज्रवरि स्तम्भराज सर्वक्रो
धस्य ॥ पूर्वदक्षिण पश्चिमउत्तर ऊर्ध्वअधो यवा वायव्य ॐ श्रीअनन्तर्हुं इ श्री १

हूँ ...नदशदिग्भाग ॐ ह्रुं जम ग्रु वज्र धक्त अनन्त नैयवाय ॥ ॐ हाम
नाधिपतिने मृत्युदि सकलमालाः श्रीगुरुवज्रसत्त्वश्रीमहाकायवाक्
चित्तेन तथा मामरक्ष सर्व घातय सर्व स्थानाम
यरहूँ हूँ हूँ फट् फट् फट् स्वाहा ॥ ॐ श्री दशाक्रान्तमम धानहितमा
त्र ॥ ॐ नमः श्रीनैरात्म्यमहादेव्यै ॥ ॐ नमो भगवते नैरात्म्याहृद

र्वावज्रविनाशिनिये हूँ हूँ फट्॥ ॐ नमः आर्यपराजिताय त्रैलोक्यम
र्द्द विघ्नस्तम्भिनि हूँ हूँ फट्॥ ॐ नमः सर्वग्रहनक्षत्रवमहाव्रजे हूँ हूँ फ
ट्॥ ॐ नमः वज्रावन्तनत्रिजितअपराजितवज्रधरवज्रमहाग्रामदि हूँ
हूँ फट्॥ ॐ नमः उग्रवितुयरजम्भनस्तम्भनि महाहूनि हूँ हूँ फट्॥ ॐ नम
विद्येष्विनाशनि क्राथसिक त्रिलोक्यानिनि हूँ हूँ फट्॥ ॐ नमः संत्रा

नि २

श्री २

सनिमाशिनिमस्पराद्रनीपराजयविनाशय हूँ हूँ फट्॥ ॐ नमः नेत्रा
त्रामहायोगीनीकामरूपनीखड्ग हूँ हूँ फट्॥ नमस्त्वा॥ घातय २ हन २
घातनात्किं किनि खिं खिनि बुरु २ हन २ खद २ हमस्ताभय परखड्गाक
पाल धारिणि॥ ॐ नमः नेत्रामाय हूँ हूँ फट्॥ ॐ नमः वज्रनादवि
हूँ हूँ फट्॥ ॐ नमः सर्वदुःखनाशनि स्तम्भिनिये हूँ हूँ फट्॥ ॐ नमः शिवर

त्रैलोक ३

रूपाय हूँ हूँ फट् ॐ नमः शान्तिरूपाय हूँ हूँ फट् ॐ नमः रागवज्रदेवी
य हूँ हूँ फट् ॐ नमः महारत्नवापर्य्यायमहाकानहिणमासनिमा
मा न्त्र श्राफसानि ध्वंनलभि नमा नागाकि नधान हिंशुमनिरम हन
न श्राशानसर्व्वमहाप्रवानाम्रुदनिक्रान्तश्रीमरूः ब्रसाकलनि श्री ३
महामद्राश्री श्लनकस्यमाहिधिसहश्रवाहवसतप्रानिनि

II-३०६ धर्मरत्न वज्राचार्य मुरत श्री महाबिहार